

अति आवश्यकीय एवं त्वरित कार्यवाही हेतु विशेष अनुरोध-पत्र

प्रेषक,

एन. सिंह सेंगर, समाजसेवी,

निवास: ताजपुर-बिधूना, जनपद औरैया, उ. प्र.,

मोबाइल 7302757448

सेवा में,

राज्यपाल-कुलाधिपति/कुलपति,

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर, उत्तर प्रदेश।

ई-मेल द्वारा प्रेषित

विषय: छ.शा.म.विश्वविद्यालय कानपुर से संबद्ध डिग्री कालेजों में फर्जी प्राचार्यों-प्रोफेसर्स पर अंकुश लगाने हेतु महोदय,

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर से सम्बद्ध स्ववित्तपोषी डिग्री कालेजों में मानकीय प्राचार्यों, प्रोफेसर्स व शिक्षण-प्रशिक्षण का जबरदस्त अभाव देखने को मिल रहा है। कालेजों में फर्जीबाड़े चरम पर हैं। कालेजों के अनुमोदित प्राचार्य-प्रोफेसर्स विश्वविद्यालय-पेपर्स तक सीमित तथा कालेजों से विलोपित शिक्षक अन्य नौकरियों-व्यवसायों में लगे हैं। कालेज प्रबंधक छात्रों से भारी शुल्क वसूलने के बावजूद भी कालेजों में मानकीय शिक्षकों से शिक्षण-प्रशिक्षण नहीं कराते हैं। इसके बावजूद मानक हीन और प्राचार्य एवं शिक्षक विहीन कालेजों में स्नातक, परास्नातक बी.एड., डी.इल.एड, लॉ., बी.एड. एम.बी.बी.एस. की मान्यता और संचालन लगातार जारी है। यह कैसी बिडम्बना है कि जिन व्यक्तियों को दिशाओं एवं शब्दों तक का ज्ञान नहीं है, वे धन-नकल के प्रभाव में साइंस में स्नातक-परास्नातक की ससम्मान डिग्री प्राप्त कर रहे हैं।

महोदय, स्ववित्तपोषी कालेजों के प्रबन्धक और उनके परिजन सम्बन्धी स्वयं-भू प्राचार्य व प्रोफेसर बने बैठे हैं। प्रबन्धक-दलाल प्राचार्य पद के फर्जी हस्ताक्षर स्वयं करके व प्राचार्य-शिक्षकों के वेतन-भत्ते, छात्रवृत्ति सहित कालेज शैक्षिक धन-सम्पत्ति दुरुपयोग कर गंभीर वित्तीय अनियमितताएँ कर रहे हैं। यह छात्रों को कालेज के मानकी शिक्षण से जबरदस्त वंचित कर फर्जी कक्षा-उपस्थिति व नकल कराकर धन उगाही करते हैं। कालेजों में दिखने वाले स्वयंभू प्राचार्य-प्रोफेसर्स की पदासीनता दलाली व फर्जीबाड़े आधारित हो रही है।

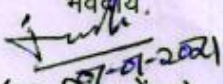
महोदय, छत्रपति शाहूजी महाराज वि.वि.कानपुर से संबद्ध डिग्री कालेजों में स्वयं-भू प्राचार्यों, प्रोफेसर्स, दलालों व घरेलू-बाजारू द्यूशन-कोचिंग करने वालों की भरमार है। अधिकांश डिग्री कालेज कुख्यात नेताओं अपराधियों के अड्डे एवं अवैध कमाई के स्रोत बने हुए हैं। इनमें आयुध प्रदर्शन व भ्रामक विज्ञापन से छात्रों को फंसाकर शोषण तथा नकल से पास कराने की डिग्री-ठेका देकर धन वसूला जाता है। कालेजों में शिक्षक जरूरत विज्ञापनों पर योग्य आवेदकों की उपेक्षाकर दलालों द्वारा उपलब्ध प्रपत्रों पर शिक्षक बनाए जा रहे हैं।

महोदय, उक्त स्थिति से प्रमाणित है कि, छ.शा.म.वि.वि.से संबद्ध डिग्री कालेजों में स्वयं-भू और फर्जी प्राचार्यों एवं प्रोफेसर्स तथा अमानक प्रबंधतंत्रों के फर्जीबाड़े व्यक्ति और समाज को पंगु बना रहे हैं। जिसमें विश्वविद्यालय अधिकारियों की संलिप्तता तथा कालेजों के फर्जीबाड़ो-अवैध वसूलियों में उच्चशिक्षा-वि.वि.कर्मि हिस्सेदार बने दिख रहे हैं। कालेज प्राचार्यों, शिक्षकों, प्रबंधतंत्रों, मान्यता, संबद्धताओं, परीक्षाकेंद्रों का अनुमोदन एवं परीक्षा में नकल भ्रष्टाचारियों की काली कमाई के स्रोत बने हैं। विद्यार्थी मानकीय शिक्षा पाने हेतु भटक रहे हैं। जिस पर जबाबदेह अंकुश लगाए बिना व्यक्ति, समाज, देश और शिक्षा के हितों की सुरक्षा सम्भव नहीं है।

अतः अनुरोध है कि, उक्त तथ्यों और सुझावों पर विचार कर छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर से सम्बद्ध डिग्री कालेजों में व्याप्त फर्जीबाड़ों पर तत्काल अंकुश लगा कर फर्जी प्राचार्यों-प्रोफेसर्स वाले कालेजों की मान्यता अबिलम्ब निरस्त कर कालेजों में मानकीय शिक्षण-व्यवस्था प्रदान करें। सधन्यवाद।

आदर सहित।

दिनांक 07-01-2021

भवनीय,

(एन सिंह सेंगर)

ताजपुर-बिधूना, जनपद औरैया, उ.प्र.।